E-ISSN: 2708-4523
P-ISSN: 2708-4515
AJMC 2021; 2(2): 133-135
© 2021 AJMC
www.allcommercejournal.com
Received: 15-08-2021
Accepted: 19-09-2021

Dr. Pawan Kumar
Professor, Department of Commerce, NIILM University, Kaithal, Haryana, India

Anand Krishna Pal
Research Scholar, Department of Commerce, NIILM University, Kaithal, Haryana, India

Correspondence Author:
Anand Krishna Pal
Research Scholar, Department of Commerce, NIILM University, Kaithal, Haryana, India

लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग इकाइयों पर COVID के तात्कालिक प्रभाव का अध्ययन

Dr. Pawan Kumar and Anand Krishna Pal

सारांश
यह अध्ययन कोरोना महामारी से ग्रसित भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग इकाइयों पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करने का प्रयास मात्र है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य संकट ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रगति प्रदान करने वाली उद्योग इकाइयों के संवर्धन के विषय में नीति निर्माताओं के ध्यान को आकृष्ट करना है ताकि MSMe क्षेत्र के चुनौतीपूर्ण परिवेश को भावी विकल्पों के रूप में परिवर्तित किया जा सके।

कूट शब्द- विनिर्माण उद्योग, स्टिमुलस पैकेज, सूक्ष्म उद्यम, MSMED Act-2006, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

प्रस्तावना
लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र भारत में पिछले 5 दशकों से अत्यधिक गतिशील क्षेत्र के रूप में उभरा है। लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग भारत में कृषि क्षेत्र के पश्चात रोजगार प्रदान करने वाला दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। भारत के कुल सकल घरेलू उत्पादन में लगभग 30 फीसदी का प्रतिनिधित्व MSMe क्षेत्र का रहता है। भारत में पिछड़े क्षेत्र एवं प्रमुख रूप से विनिर्माण क्षेत्र का विकास में कोविड-19 महामारी से पूर्व सरकार का मिशन भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना था। परंतु कोविड महामारी के आगमन एवं पूर्ण तथा आंशिक लॉकडाउनो के कारण MSMe के पहिये पर पूर्ण अंकुश लग जाने से यह लक्ष्य थोड़ा कठिन प्रतीत होता है। COVID-19 का सर्वप्रथम प्रकरण दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर से देखा गया। यह एक एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम के कारण होने वाली संक्रामक बीमारी है।

अध्ययन उद्देश्य
इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था में Covid महामारी से ग्रसित MSMe उद्योग इकाइयों पर तात्कालिक प्रभावों का अध्ययन करना है।

अध्ययन विधि
Covid 19 के प्रभावों का आंकलन करने की दृष्टि से अध्ययन में द्वितीयक आंकड़ो का चयन कर विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। इन आंकड़ो के अंतर्गत पूर्व में की गयी शोधों के आंकड़ो, सरकारी दस्तावेजों, अंतरराष्ट्रीय मजदूर संघ एवं आर्थिक समीक्षा नीतियों की रिपोर्टों को आधार बनाया गया है।

भारत में MSMe की वर्तमान स्थिति

लघु सूक्ष्म एवं मध्यम विकास अधिनियम (MSMED, Act-2006) के प्रावधानों के अनुसार लघु सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग इकाइयों को तीन वर्गों में रखा है जिनका वर्गीकरण इस प्रकार है-

उद्यम का प्रकार	निवेश	टर्न ओवर
सूक्ष्म उद्यम	1 करोड़ से अधिक न हो	5 करोड़ से अधिक न हो
लघु उद्यम	10 करोड़ से अधिक न हो	50 करोड़ से कम न हो
मध्यम उद्यम	50 करोड़ से अधिक न हो	200 करोड़ से अधिक न हो

वर्तमान भारतीय अर्थव्यवस्था में MSMe लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रमुख स्रोत है। इसके अंतर्गत लगभग 55% रोजगार शहरी क्षेत्रों में स्थित MSMe द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। वित्त वर्ष 2018-19 के अनुसार, MSMe के तहत भारत में लगभग 6.34 लाख उद्यम सक्रिय हैं। जिनका लगभग 51% ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में MSMEs के तहत लगभग 99.5% उद्यम 'सूक्ष्म' श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। देश के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की संख्या लगभग समान है परंतु लघु और मध्यम श्रेणी (कुल MSMEs का लगभग 0.5%) के अधिकांश उद्यम शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, जो लगभग 5 करोड़ लोगों के लिये रोज़गार उपलब्धता का साधन है। Ministry of Micro, small and medium enterprises, Govt of India की वार्षिक रिपोर्ट 2020-21 MSMes के वितरण के संबंध आंकड़े उपलब्ध कराती है। वर्ष 2020-21 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में MSMEs में लगभग 31% की हिस्सेदारी Manufacturing क्षेत्र की रहती है। जिसके अंतर्गत 114.14 लाख MSMSe की संख्या शहरी क्षेत्रों में एवं 82.50 लाख उद्यम इकाइयाँ ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं। Trade sector में कुल 230.35 लाख उद्यम इकाइयों का संचालन आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से को रोजगार के साथ साथ आर्थिक विकास के सु अवसर उपलब्ध कराता है।

Activity Category	Estimated No. Of Enterprises (In Lakh)			Share (%)
	Rural	Urban	Total	
Manufacturing	114.14	82.50	196.65	31%
Electricity	0.03	0.01	0.03	0%
Trade	108.71	121.64	230.35	36%
Other service	102.00	104.85	206.85	33%
All	324.88	309.00	633.88	100%

MSMe पर कोविड19 के प्रभाव का मूल्यांकन

हालांकि कोरोना महामारी का व्यापक प्रभाव MSMe पर पड़ा है जिसका पूर्ण रूपेण मूल्यांकन करना शायद कठिन कार्य प्रतीत होता है परंतु कुछ मान दण्डों को आधार बनाकर उनका मूल्यांकन करना इस विषय पर समझ को विकसित कर सकता है। ऐसे ही निम्न बिंदु को यहाँ बताया गया है।

1. लॉकडाउन का प्रभाव

लॉकडाउन की अवधि के दौरान बड़ी संख्या में नौकरियां चली गईं और परिवारों की नियमित आय में बहुत अधिक गिरावट देखी गई।

2. कच्चे माल का अभाव

लॉकडाउन के कारण परिवहन व्यवस्था के बंद रहने के फलस्वरूप उद्यमों तक कच्चे माल की आपूर्ति भी पूरी तरह से बाधित रही। यही कारण रहा कि कच्चा माल उद्यमों तक नहीं पहुँच पाया एवं उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गयी।

3. स्टिमुलस पैकेज (राहत पैकेज)

केंद्र सरकार ने 13 मई 2020 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत MSMe क्षेत्र को राहत देने के उद्देश्य से 3 लाख करोड़ की राशि का आवंटन किया। यह राहत राशि मुख्यतया दूर गामी प्रभावों को लेकर अधिक एवं तत्कालीन राहत से परे अधिक पड़ती है।

सरकार का स्टिमुलस पैकेज एमएसएमईज़ के लिए पर्याप्त नहीं था। यह कैश फ्लो में सुधार करके तत्काल राहत देने की बजाय लोन देने और दीर्घकालीन समाधान पर अधिक केंद्रित था। स्टिमुलस पैकेज का लाभ सूक्ष्म और छोटे उद्यमों को उचित तरीके से नहीं मिला। हालांकि इस संबंध में अतिरिक्त प्रयास किए जाने की जरूरत है।

4. MSMe के ओवरड्यू की समय सीमा

MSMe के Overdues से आशय किसी भी MSMe द्वारा निरंतर 90 दिनों तक किसी भी प्रकार उत्पादन के उत्पादन ना करने की दशा में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लगायी जाने वाली समय सीमा होती है। पूर्ण लोक डाउन के अंतर्गत यह पाया गया कि MSMe का पहिया कई महीनों तक अवरूद्ध रहा। इस समय सीमा को 180 दिन कर दिये जाने आवश्यकता है।

5. श्रम मजदूरों की उपलब्धता में कमी

लॉकडाउन के कारण वृहद स्तर पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड आदि राज्य के प्रवासी मजदूरों की वापसी श्रम उपलब्धता की कमी की से MSMe को मजदूरों को अनुपलब्धता का सामना करना पड़ा।

निष्कर्ष

उपरोक्त अध्ययन के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि भारत में कोरोना महामारी का व्यापक प्रभाव लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग इकाइयों पर स्पष्टतया देखा जा सकता है। पहले से ही आर्थिक संकटो से जूझ रहे MSMEs क्षेत्र को कोरोना महामारी मे हुए लॉकडाउन के कारणों ने बुरी तरह से प्रभावित किया है। इन क्षेत्रो में कार्यरत कामगारों की आय में एवं रोजगारपरक अवसरों में भारी कमी ने इसके लक्षित उद्देश्यों को दीर्घकालिक बना दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने के 2025 तक के लक्ष्यों में आंशिक कमी के उत्पन्न होने में COVID 19 ने अपनी भूमिका निभाई है।

संदर्भ सूची

1. Srinivasan 2020, _Coronavirus package (How will covid 19 relief for MSMEs help? " The hindu Newspaper
2. Annual Report 2020-21, Ministary of Micro, Small and Medium Enterprises, Govt.of India
3. https://msme.gov.in/initiatives-ministry-msme-covid-19-relief
4. https://msme.gov.in/sites/default/files/Impact-of-Budget-2021-22-on-MSME-Sector.pdf